Issue No. 2, क्रमांक 1, माहः जुलाई, अगस्त, सितम्बर 2025

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Bihar, Vaishali AN AISECT GROUP UNIVERSITY
NEWS LETTER

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली (बिहार) को "हिंदुस्तान आइकन अवॉर्ड 2025" से सम्मानित किया गया

दिनांक: 24 अगस्त 2025

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली (बिहार) को प्रतिष्ठित **"हिंदुस्तान आइकन अवॉर्ड 2025"** से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान **जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी** में आयोजित एक भव्य अंतरराष्ट्रीय समारोह में प्रदान किया गया। यह सम्मान विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन देने, तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि के साथ डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय ने न केवल बिहार, बल्कि पूरे भारत का गौरव बढ़ाया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डॉ. ब्रिजेश सिंह** ने त्बिलिसी में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार ग्रहण किया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर साझा किया। यह सम्मान विश्वविद्यालय परिवार के समर्पण, गुणवत्ता और सतत प्रगति का प्रतीक है। समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली ने पूर्वी क्षेत्र के निजी एवं डीम्ड बहुविषयक विश्वविद्यालयों में प्राप्त किया 9वाँ स्थान

दिनांक: 30 जुलाई 2025

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली (बिहार) ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रतिष्ठित पत्रिका **"द वीक"** द्वारा जारी **"बेस्ट यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025"** में विश्वविद्यालय को **पूर्वी क्षेत्र के निजी एवं डीम्ड बहुविषयक विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 9वाँ स्थान** प्राप्त हुआ है। यह सम्मान विश्वविद्यालय की निरंतर शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान में नवाचार तथा समग्र छात्र विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विश्वविद्यालय प्रशासन के दूरदर्शी नेतृत्व में संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध कार्यों और सामाजिक भागीदारी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह रैंकिंग इस बात की पुष्टि करती है कि विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास, पेशेवर दक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं।यह उपलब्धि विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों—अध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों—की समर्पित भावना का परिणाम है। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली की यह उपलब्धि न केवल गर्व का विषय है, बल्कि यह पूर्वी भारत में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को भी नई ऊँचाइयाँ प्रदान करती है।

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय द्वारा दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार ने छात्रों के कौशल विकास और शैक्षणिक सहयोग को सशक्त बनाने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। पहला समझौता ज्ञापन बेंगलुरु स्थित BOSCH के साथ किया गया, जिसके अंतर्गत टू-व्हीलर सर्विस असिस्टेंस का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह और ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री संजीत कुमार ने हस्ताक्षर किए। यह पहल उन युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगी जो दसवीं या बारहवीं के बाद अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते हैं, जिससे उन्हें आजीविका के अवसर प्राप्त हो सकें।दूसरा समझौता ज्ञापन लक्ष्मी नारायण कॉलेज, भगवानपुर, वैशाली के साथ हुआ, जिसका उद्देश्य शोध सहयोग और शैक्षिक संवर्धन को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह, कृषि विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शालिनी सिंह, तथा संकाय सदस्य श्री अमित पटेल, श्री नंदलाल सिंह, श्री अंकुश कुमार सिंह और श्रीमती अमृता कुमारी उपस्थित रहे। इन समझौता ज्ञापनों के माध्यम से विश्वविद्यालय ने यह स्पष्ट किया है कि वह छात्रों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर एवं कुशल नागरिक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार में मेगा जॉब फेयर का आयोजन

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में 15 मेगा जॉब फेयर में छात्रों को मिला सुनहरा अवसर डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली में रोजगार का बड़ा मंच

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार में आयोजित मेगा जॉब फेयर ने विद्यार्थियों के लिए रोजगार का एक नया द्वार खोला। इस आयोजन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 19 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें मेक्लियोड, यज़ाकी, MRF, हाइप्रोटेक, एग्रोस्टार, चौपाटी, विकास ग्रुप, बजाज ऑटो क्रेडिट, सुब्रोस जैसी अग्रणी कंपनियाँ शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 588 अभ्यार्थियों ने रोजगार के लिए अपना पंजीयन कराया तथा भाग लिया। जिनमें विश्वविद्यालय के साथ-साथ वैशाली जिले के आईटीआई संस्थानों के विद्यार्थी भी शामिल थे। साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद 347 छात्रों का चयन हुआ, जिन्हें औसतन 5 लाख रुपये वार्षिक वेतन पैकेज पर नियुक्त किया गया। कंपनियों के एचआर प्रतिनिधियों और विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की टीम ने छात्रों की तैयारी और प्रदर्शन की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह, कुल सचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह, डीन (एकेडमिक) डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, डीन (छात्र कल्याण) डॉ. अमरीश सिंह, तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी संजीत कुमार उपस्थित रहे। अपने संबोधन में कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि, "यह सफलता हमारे विद्यार्थियों की मेहनत और विश्वविद्यालय की रोजगारोन्मुखी शिक्षा का परिणाम है। हमारा उद्देश्य सिर्फ डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।" कुल सचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह ने चयनित छात्रों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि, "डिग्री का असली मूल्य तभी है जब उससे रोजगार का मार्ग प्रशस्त हो। विश्वविद्यालय इसी दिशा में लगातार प्रयासरत है कि हर छात्र को उसके कौशल और योग्यता के अनुरूप अवसर मिले।" इस आयोजन ने विश्वविद्यालय की इस प्रतिबद्धता को और मजबूत किया कि डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि रोजगार सृजन का एक सक्रिय माध्यम भी है। यह जॉब फेयर न केवल छात्रों के लिए सुनहरा अवसर साबित हुआ, बल्कि विश्वविद्यालय के उद्योग जगत से गहरे संबंधों का भी परिचायक बना।

क्रमांक -3,
माहः जुलाई, अगस्त, सितम्बर 2025

दीक्षारंभ

विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का सफल आयोजन

नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत एवं परिचय हेतु दीक्षारंभ-2025 कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह पाँच दिवसीय कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, मूल्यों एवं अवसरों से परिचित कराना और उनके समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि विश्वविद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह उनके सपनों को दिशा देने का एक माध्यम भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने और उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। कुल सचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के हितों और उनके सर्वांगीण विकास के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी को विश्वविद्यालय की नीतियों एवं सुविधाओं से परिचित होने की सलाह दी।

डीन एकेडमिक डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने अकादमिक गतिविधियों और विश्वविद्यालय की शिक्षा प्रणाली की जानकारी दी, जबकि ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री संजीत कुमार ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अवसरों के बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल विक्रम अजीत सिंह, प्रशासनिक अधिकारी, 2 बिहार बटालियन एनसीसी, मुजफ्फरपुर ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में भारत की रक्षा प्रणाली की महत्ता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में एयर डिफेंस सिस्टम और मिसाइल तकनीक की भूमिका को समझाया। साथ ही विद्यार्थियों को एनसीसी के माध्यम से राष्ट्रसेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डीन छात्र कल्याण श्री अमरीश कुमार सिंह, सहायक कुल सचिव श्री ओंकार शरद, बीटेक मैकेनिकल विभागाध्यक्ष श्री आनंद कुमार, डॉ. आकांक्षा, श्रीमती लवली आनंद और श्रीमती सोनाली सिन्हा की विशेष उपस्थिति और योगदान उल्लेखनीय रहा। दीक्षारंभ-2025 ने न केवल नवागंतुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की संस्कृति और शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराया, बल्कि उनमें नई ऊर्जा, उत्साह और उद्देश्य की भावना का संचार भी किया। यह आयोजन विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो प्रत्येक विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में समर्पित है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में खेल भावना का उत्सव

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, भगवानपुर (वैशाली) का परिसर 29 अगस्त 2025 को ऊर्जा, जोश और उत्साह से सराबोर हो उठा, जब राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने खेलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक भव्य आयोजन के माध्यम से व्यक्त किया। इस अवसर पर क्रिकेट मैच के साथ-साथ कई इंडोर खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार तथा डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के खेल मैदान में हुआ, उद्घाटन के अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री कुंदन कुमार, जिला खेल पदाधिकारी श्री राकेश कुमार, कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह, कुलसचिव डॉ. बृजेश कुमार सिंह, डीन (एकेडमिक) डॉ. धर्मेंद्र सिंह, डीन (छात्र कल्याण) डॉ. अमरीश कुमार सिंह एवं पारा ओलंपिक स्विमर श्री हरि शंकर रजक उपस्थित रहे। उप विकास आयुक्त श्री कुंदन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आज खेलों को वह पहचान मिल रही है जिसकी उन्हें वर्षों से आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों को खेल अकादमी में भेजने के प्रति जागरूक होना चाहिए ताकि खेल प्रतिभाएं निखर सकें। जिला खेल पदाधिकारी श्री राकेश कुमार ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो हमें अनुशासन और आत्मविश्वास सिखाते हैं। कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह ने सभी से "एक घंटा खेल के मैदान में" के नारे को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश कुमार सिंह ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस प्रदान करते हैं बल्कि जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग भी दिखाते हैं। वहीं, पारा ओलंपिक स्विमर हरि शंकर रजक ने कहा कि खेल में अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। दिन का मुख्य आकर्षण रहा मेजर ध्यानचंद स्मृति क्रिकेट मैच, जिसमें रमन 11 की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की, जबकि टेक्निकल 11 उपविजेता रही। इंडोर खेल प्रतियोगिताओं में भी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया — कैरम में मोनिश कुमार, शतरंज में डॉ. अंकित कुमार, तथा टेबल टेनिस में अंकुश कुमार सिंह विजेता बने। सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को उप विकास आयुक्त एवं अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। सीबीसी छपरा के सर्वजीत सिंह ने कहा कि खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने से ही युवाओं का समग्र विकास संभव है। कार्यक्रम का समापन तालियों की गड़गड़ाहट और खेल भावना से ओतप्रोत माहौल में हुआ। इस अवसर पर डॉ. आकांक्षा, श्रीमती लवली आनंद, ओंकार शरद, शोएब अख्तर सहित कई शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

''विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम 2025'' का सफल आयोजन

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में "विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम 2025" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की भूमिका पर विचार-विमर्श करना था। कार्यक्रम में युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा नामित यूथ आइकन श्री मंटू कुमार और श्री आभास कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में जिला युवा अधिकारी डॉ. श्वेता सिंह ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यवाहक कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह, कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह तथा डीन छात्र कल्याण डॉ. अमरीश कुमार सिंह रहे। उद्घाटन सत्र की शुरुआत बी.एस.सी. एग्रीकल्चर तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रिद्धिमा द्वारा सरस्वती वंदना से हुई, जबकि मंच संचालन बी.ए. इंग्लिश तृतीय सेमेस्टर की छात्रा शुभांगी शिखा ने किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. बृजेश सिंह ने संविधान में निहित मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन पर बल देते हुए कहा कि इन मूल्यों के पालन से ही भारत एक विकसित राष्ट्र बन सकता है। वहीं, डॉ. बसंत कुमार सिंह ने शिक्षा और कौशल विकास को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो युवाओं के व्यक्तित्व और रोजगार दोनों को सशक्त बनाए। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. अमरीश कुमार सिंह (भारत पोर्टल कार्यक्रम समन्वयक) तथा श्री ओंकार शरद (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी) की विशेष भूमिका रही। साथ ही डॉ. आकांक्षा, श्रीमती लवली आनंद और श्रीमती सोनाली सिन्हा के योगदान से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन विश्वविद्यालय के उस संकल्प को पुनः स्थापित करता है, जिसके तहत युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा का आयोजन

हर घर तिरंगा अभियान" के अंतर्गत एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य देशवासियों में राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और गौरव की भावना को सशक्त बनाना तथा प्रत्येक भारतीय को अपने घर पर गर्वपूर्वक तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना था। विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह, कुल सचिव डॉ. बृजेश सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, छात्र कल्याण विभाग के प्रभारी अमरीश कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने तिरंगा यात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा और सभी प्रतिभागियों ने अपने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान कुल सचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और उसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि यह हमारे स्वाभिमान, त्याग और एकता का प्रतीक है। अपने संबोधन में उन्होंने एक शेर के माध्यम से देशभक्ति का संदेश देते हुए कहा – "वतन को फिर कहीं गिरवी ना रख देना वतन वालों, शहीदों ने बड़ी मुश्किल से ये कर्जे चुकाए हैं।" वहीं कार्यवाहक कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह ने भारत की आजादी में क्रांतिकारियों के योगदान का स्मरण कराते हुए कहा कि तिरंगे के सम्मान में हमारा सिर सदा ऊंचा रहना चाहिए। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा – इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने देश के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण को पुनः व्यक्त किया। सभी उपस्थित लोगों ने यह संकल्प लिया कि वे "हर घर तिरंगा अभियान" में सक्रिय रूप से भाग लेंगे और अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में अपना योगदान देंगे। इस आयोजन ने न केवल देशभक्ति की भावना को प्रज्वलित किया बल्कि विश्वविद्यालय समुदाय में राष्ट्रीय एकता और गर्व की भावना को और अधिक सशक्त किया।

लड़े जंग वीरों की तरह, जब खून खौल फौलाद हुआ,
मरते दम तक डटे रहे वो, तब ही तो देश आजाद हुआ।

कारगिल विजय दिवस: शहीदों को नमन

विश्वविद्यालय परिसर में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं भावपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों की अदम्य वीरता, बलिदान और देशभक्ति को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में कार्यवाहक कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. ब्रिजेश सिंह, सहायक NCC पदाधिकारी के. रिशु कुमार विशेष अतिथि रिटायर्ड सूबेदार मेजर अरुण कुमार सिंह और रिटायर्ड सूबेदार मेजर मुक्तेश्वर प्रसाद सिंह उपस्थित रहे। अपने प्रेरक संबोधन में रजिस्ट्रार डॉ. ब्रिजेश सिंह ने कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारतीय सैनिकों की वीरता को नमन किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों—पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी और अशफाकुल्लाह खान—को भी स्मरण किया और बिस्मिल की अंतिम पंक्तियाँ उद्धृत करते हुए कहा— कार्यवाहक कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में युवाओं को राष्ट्र सेवा की दिशा में प्रेरित किया और कहा कि देश की प्रगति में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर अंडर ऑफिसर कैडेट आर्या कुमारी पाण्डे को सीनियर अंडर ऑफिसर रैंक से नवाजा गया।

मालिक तेरी रजा रहे,
और तू ही तू रहे बाकी न मैं रहूं न मेरी आरजू रहे,
जब तक तन में सांस,
रगों में लहू रहे तेरा ही जिक्र-ए-यार और तेरी ही जुस्तजू रहे।

79वां स्वतंत्रता दिवस

विश्वविद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही उत्साह और देशभक्ति के जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ. बसंत संत कुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया। उनके साथ कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, डीन छात्र कल्याण डॉ. अमरीश कुमार सिंह, सभी शिक्षकगण, छात्र एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एनसीसी और एनएसएस इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में कई आकर्षक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। सहायक कुलसचिव ओंकार शरद और एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट ऋषु कुमार के मार्गदर्शन में एनसीसी कैडेट्स द्वारा परेड मार्च प्रस्तुत किया गया, जिसने समारोह में देशभक्ति का रंग भर दिया। इसके साथ ही इस दौरान कुल 19 एनसीसी कैडेट्स को रैंक प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रप्रेम की भावनाओं को सजीव कर दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। अपने संबोधन में कार्यवाहक कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह ने देश की एकता, अखंडता और जिम्मेदारी की भावना को बनाए रखने का आह्वान किया। वहीं, कुलसचिव डॉ. बृजेश सिंह ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

उद्योग-अकादमी समन्वय बैठक : शिक्षा और उद्योग के बीच सेतु निर्माण की दिशा में एक सार्थक पहल

विश्वविद्यालय परिसर में 2 अगस्त 2025 को उद्योग–अकादमी समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य शैक्षणिक शिक्षा को उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना तथा विद्यार्थियों के कौशल विकास को नई दिशा प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह, कुलसचिव डॉ. बृजेश सिंह और डीन अकादमिक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। राष्ट्रगान के तत्पश्चात सभी अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विभिन्न उद्योगों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें पार्ले, हिरो, महिन्द्रा, नेरोलैक पेंट्स, फ्लिपकार्ट, इनफोऐरा, भेन्स स्टार, आमधन, और चौपार्टी जैसी प्रमुख कंपनियों के एच.आर. अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। कुल मिलाकर 35 उद्योग प्रतिनिधियों ने इस बैठक में भाग लेकर अपने विचार साझा किए। बैठक के दौरान इस बात पर विशेष रूप से चर्चा हुई कि उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम में किस प्रकार सुधार किया जाए, ताकि विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक रूप से सशक्त हों, बल्कि रोजगार के लिए भी पूरी तरह तैयार रहें। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उद्योग–संलग्न कार्यक्रमों को कैंपस स्तर पर लागू करने और विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक इंटर्नशिप तथा फाइनल प्लेसमेंट के अवसर सृजित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने पर सहमति जताई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री संजीत कुमार ने कहा कि, "ऐसे कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें विकसित भारत अभियान में भी सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करते हैं।" बैठक के अंत में संकाय सदस्यों और उद्योग प्रतिनिधियों के बीच गहन विचार–विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने भविष्य में संयुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं परियोजनाओं पर मिलकर कार्य करने की संभावनाओं पर सहमति व्यक्त की। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय की यह पहल शिक्षा और उद्योग के बीच सेतु निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

''चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास'' कार्यशाला में सहभागिता

दिनांक: 10 जुलाई 2025

रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में 10 से 12 जुलाई 2025 तक आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला "चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास" में डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली के नौ सहायक प्राध्यापक — रिशु कुमार, संजीत कुमार, ओंकार शरद, नंदलाल सिंह, मुनेश कुमार, सोनाली सिन्हा, ज्योतिका कुमारी, तौकीर अख्तर और शोएब अख्तर — ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं में नैतिक मूल्य, आत्म अनुशासन, सामाजिक चेतना और नेतृत्व क्षमता का विकास था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने की और व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला से लौटकर प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह से मुलाकात की और अपने अनुभव साझा किए। डॉ. सिंह ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि "राष्ट्र के विकास में चरित्र निर्माण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्लेसमेंट देना डॉ. सीवी रमन विवि का उद्देश्य

हाजीपुर। डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय में उद्योग एकेडमिक की बैठक में मुख्य अतिथि डॉ. बसंत कुमार ने कहा कि डॉ. सी वी रमण यूनिवर्सिटी का मुख्य उद्देश्य बच्चों के लिए बेहतर प्लेसमेंट की व्यस्था मुख्य उद्देश्य है।

अबतक यहां पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चों का प्लेसमेंट हो चुका है। कई बड़े संस्थानों में यहां के बच्चे अच्छे पोस्ट पर है। बैठक का उद्घाटन प्रतिकुलपति डॉ बसंत कुमार सिंह, कुलसचिव डॉ ब्रिजेश सिंह एवं डीन एकेडमिक डॉ धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने सयुंक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के बीच में दूरी को कम करना था। बैठक में उद्योग की अपेक्षाएं के अनुरूप पाठ्यक्रम और

डॉ सी वी रमण यूनिवर्सिटी में उपस्थित कार्यक्रम में मौजूद बच्चे और अतिथि

कौशल विकास पर मंथन किया गया। बैठक में 35 विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उद्योग संग्लग्न कार्यक्रम कैंपस स्तर पर लागू करने की दिशा में गंभीर चर्चा किया। डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय के टीपीओ संजीत कुमार ने बताया कि इस तरह का कार्यक्रम न केवल छात्रों का रोजगार क्षमता को बढ़ाता है। बैठक में संकाय सदस्यों और उद्योग प्रतिनिधियों के बीच गहन विचार विमर्श हुआ. जिसमें भविष्य में संयुक्त अनुसंधान प्रशिक्षण और परियोजना पर कार्य करने की संभावना पर सहमति बनी।

कहानी संग्रह 'गरीबनवाज' का होगा लोकार्पण

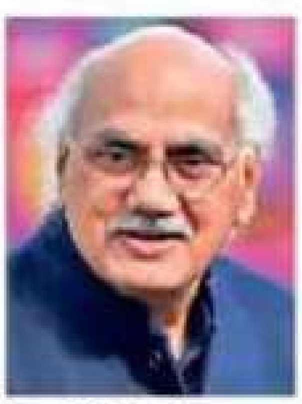

पटना | डॉ. सीवी रमन विवि वैशाली के कुलाध्यक्ष संतोष चौबे की कहानी संग्रह 'गरीबनवाज' का लोकार्पण 4 सितंबर को साहित्य अकादमी दिल्ली में होगा। वनमाली सृजन पीठ और राजकमल प्रकाशन समूह द्वारा आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता जानकी प्रसाद शर्मा करेंगे। कहानी संग्रह पर अखिलेश, विनोद तिवारी, अल्पना मिश्र और आशुतोष अपने विचार रखेंगे। संचालन प्रांजल धर करेंगे, जबकि संतोष चौबे स्वयं कहानी पाठ करेंगे। 5 सितंबर को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दिल्ली में 'उनके हिस्से का प्रेम' और 'गरीबनवाज' का मंचन नाट्य निर्देशक देवेंद्र राज अंकुर के निर्देशन में 'संभव' आर्ट ग्रुप प्रस्तुत करेगा।

शहीदों ने बड़ी मुश्किल से ये कर्ज चुकाए हैं: डॉ. बृजेश सिंह

हाजीपुर | हर घर तिरंगा अभियान के तहत डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय के छात्रों ने तिरंगा यात्रा निकालकर प्रत्येक भारतीय परिवार को गर्व से भारतीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करके एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया। कुल सचिव डॉ. बृजेश सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और उसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए तिरंगा यात्रा के माध्यम से आपसी भाईचारे को बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने एक शेर के माध्यम से कहा कि वतन को फिर कहीं गिरवी ना रख देना वतन वालों, शहीदों ने बड़ी मुश्किल से ये कर्जे चुकाए हैं। कार्यवाहक कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह ने इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से भारत की आजादी में क्रांतिकारियों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि लड़े जंग वीरों की तरह, जब खून खौल फौलाद हुआ, मरते दम तक डटे रहे वो, तब ही तो देश आजाद हुआ, का संदेश देते हुए विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं और आम लोगों के अंदर देश भक्ति का अलख जगाया। विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह, कुल सचिव डॉ. बृजेश सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, छात्र कल्याण अम्मरीश कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय वैशाली में हुआ दीक्षारंभ समारोह, दी गई जानकारी

सिटीरिपोर्टर|हाजीपुर

बिहार के वैशाली जिला के भगवानपुर स्थित डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में नवागंतुक विद्यार्थियों के परिचय के लिए एनईपी 2020 के माध्यम से भारत सरकार के निर्देशानुसार दीक्षारंभ -2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम छात्र गतिविधि परिषद की ओर से आयोजित किया गया। जिसमें यह पांच दिवसीय कार्यक्रम विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के विषय में जानने और अपने कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। कुल सचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय उनके हितों के प्रति प्रतिबद्ध है। कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह ने अपने संबोधन से विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्हें अपने लक्ष्यों को

कार्यक्रम में शामिल अतिथि

प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथि सह कर्नल विक्रम अजीत सिंह ने विद्यार्थियों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में भारत के एयर डिफेंस सिस्टम के महत्व को बताया। उन्होंने भारत के मिसाइल टेक्नोलॉजी का एक विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। एनसीसी के माध्यम से बच्चों को सेवा में जाने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक डॉ. धर्मेंद्र सिंह, डीन छात्र कल्याण अमरीश कुमार सिंह, कर्नल विक्रम अजीत सिंह, प्रशासनिक अधिकारी, 2 बिहार बटालियन एनसीसी, मुजफ्फरपुर ने छात्रों को कई अहम जानकारी दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर संजीत कुमार ने विश्वविद्यालय के परिसर के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। मौके पर सहायक कुल सचिव ओंकार शरद, बीटेक मैकेनिकल विभागाध्यक्ष आनंद कुमार, डॉ. आकांक्षा, लवली आनंद, सोनाली सिन्हा ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

डॉ सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया

लोकतंत्र की शान

वैशाली : डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार में "हर घर तिरंगा अभियान" के तहत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक भारतीय परिवार को गर्व से भारतीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करके एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देना है।

विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह, कुल सचिव डॉ. बृजेश सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, छात्र कल्याण अमरीश कुमार सिंह और विश्वविद्यालय के सभी अध्यापक, छात्र और छात्राएं इस आयोजन में सम्मिलित हुए। कुल सचिव डॉ. बृजेश सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और उसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए तिरंगा ध्वज के द्वारा आपसी भाईचारे को बढ़ाने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने एक शेर के माध्यम से सभी को संदेश दिया और कहा कि

"वतन को फिर कहीं गिरवी ना रख देना वतन वालों,
शहीदों ने बड़ी मुश्किल से ये कर्जे चुकाए हैं।"

कार्यवाहक कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह ने इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से भारत की आजादी में क्रांतिकारियों की भूमिका का उल्लेख किया और बोला कि।

"लड़े जंग वीरों की तरह,
जब खून खौल फौलाद हुआ,
मरते दम तक डटे रहे वो,
तब ही तो देश आजाद हुआ।

इस आयोजन के माध्यम से विश्वविद्यालय ने देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया, जिसके माध्यम से यह संदेश निकला कि सभी इस अभियान में शामिल होकर अपने घरों में तिरंगा फहराएं और देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें।

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार में दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

लोकतंत्र की शान

वैशाली, बिहार – डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार ने दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। पहला समझौता ज्ञापन लक्ष्मी नारायण कॉलेज, भगवानपुर, वैशाली के साथ हुआ है, जो मुख्य रूप से शोध सहयोग और शैक्षिक संवर्धन से संबंधित है। दूसरा समझौता ज्ञापन बेंगलुरु में BOSCH के साथ हुआ है, जिसमें टू-व्हीलर सर्विस असिस्टेंस का प्रशिक्षण शामिल है। बेंगलुरु में हुए समझौता ज्ञापन में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह और ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री संजीत कुमार उपस्थित थे। लक्ष्मी नारायण कॉलेज, भगवानपुर, वैशाली में हुए समझौता ज्ञापन में विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह, कृषि विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शालिनी सिंह, कृषि विभाग के अन्य अध्यापक श्री अमित पटेल, श्री नंदलाल सिंह, श्री अंकुश कुमार सिंह और श्रीमती अमृता कुमारी उपस्थित थे। समझौता ज्ञापनों का मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को लाभ पहुंचाना है जो दसवीं और बारहवीं के बाद अपनी पढ़ाई छोड़ देते हैं और जिनके पास आजीविका का कोई साधन नहीं है। ऐसे छात्रों को कौशल विकास के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ये समझौता ज्ञापन किए गए हैं। इन समझौता ज्ञापनों के माध्यम से डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय छात्रों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नौ सहायक प्राध्यापकों ने भोपाल में राष्ट्रीय कार्यशाला में लिया भाग

कार्यशाला से वापस लौट कर अपने अनुभव साझा करते सहायक प्राध्यापक • जागरण

जागरण संवाददाता, हाजीपुर : डा. सीवी रमन विश्वविद्यालय, वैशाली के नौ सहायक प्राध्यापकों ने भोपाल स्थित रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला 10 से 12 जुलाई तक रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्य प्रदेश) एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक रिशु कुमार, संजीत कुमार, ओंकार शरद, नंदलाल सिंह, मुनेश कुमार, सोनाली सिन्हा, ज्योतिका कुमारी, तौकीर अख्तर और शोएब अख्तर ने भागीदारी की। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं में नैतिक मूल्यों, आत्म अनुशासन, सामाजिक चेतना ए नेतृत्व क्षमता का विकास करना था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतो चौबे ने की। उन्होंने चरित्र निर्मा और व्यक्तित्व विकास के महत्व प प्रकाश डाला। कार्यशाला से लौटन के बाद सभी प्रतिभागियों ने डा सीवी रमन विश्वविद्यालय, वैशाल के कुलसचिव डा. ब्रजेश सिंह स मुलाकात कर कार्यशाला में प्राप अनुभव साझा किए। उन्होंने बताय कि विभिन्न सत्रों में उन्हें नैति मूल्यों के साथ-साथ नेतृत्व क्षमत और आत्म अनुशासन के विकास प गहन जानकारी मिली। इस अवस पर कुलसचिव ने स्वामी विवेकान को उद्धृत करते हुए कहा कि राष्ट्री चेतना और राष्ट्र के विकास में चरि निर्माण की भूमिका अत्यंत महत्वपू है।

यूनिवर्सिटी में कारगिल विजय दिवस पर बलिदानियों को दी गई श्रद्धांजलि

पौधा देकर अतिथियों का स्वागत करते लेफ्टिनेंट • जागरण

जागरण संवाददाता, हाजीपुर : डा. सीवी रमन यूनिवर्सिटी, वैशाली में शनिवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों की बहादुरी और बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगान के साथ हुई। इस अवसर पर आए अतिथियों का फूलों और अंगवस्त्र से सम्मान किया गया। लेफ्टिनेंट रिशु कुमार ने कार्यवाहक कुलपति डा. बसंत कुमार सिंह, रजिस्ट्रार डा. बृजेश सिंह, तथा विशेष अतिथि रिटायर्ड सूबेदार मेजर अरुण कुमार सिंह और रिटायर्ड सूबेदार मेजर मुक्तेश्वर प्रसाद सिंह को सम्मानित किया।

रजिस्ट्रार डा. बृजेश सिंह ने कारगिल युद्ध के महत्व को रेखांकित करते हुए भारतीय सेना के अदम्य साहस की सराहना की। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी और अशफाकुल्लाह खान को भी याद किया।

रिटायर्ड सूबेदार मेजर अरुण कुमार सिंह और रिटायर्ड सूबेदार मेजर मुकेश्वर प्रसाद सिंह ने अपने सैन्य अनुभव साझा किए। उनकी वीरता की कहानियों ने सभागार को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने दोनों अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर राष्ट्र सेवा के प्रति सम्मान व्यक्त किया। मंच का संचालन एनसीसी कैडेट आर्या कुमारी पांडे ने किया।

डा. सीवी रमन वि. में उद्योग शिक्षा समन्वय बैठक आयोजित

कर्यक्रम में शामिल वि. के पदाधिकारी व विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि • जागरण

जागरण संवाददाता, हाजीपुर : डा. सीवी रमन विश्वविद्यालय, भगवानपुर में शनिवार को उद्योग-शिक्षा समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करना था। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों की 35 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिभागी कंपनियों में पारले एग्रो, हीरो, महिंद्रा, नेरोलैक पेंट्स, फ्लिपकार्ट, इंफोएज, भैंस स्टार, आमधन और चौपार्टी सहित अन्य कंपनियों के एचआर प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डा. बसंत कुमार सिंह, कुलसचिव डा. ब्रजेश सिंह और डीन (अकादमिक) डा. धर्मेंद्र कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर की। बैठक का मुख्य उद्देश्य वर्तमान उद्योग की मांगों के अनुरूप पाठ्यक्रम को ढालना, विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और अंतिम प्लेसमेंट के अवसरों को बढ़ावा देना तथा उद्योग से जुड़े कार्यक्रमों को कैंपस स्तर पर लागू करना था। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी संजीत कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि विकसित भारत अभियान में भी योगदान करते हैं।

कौशल आधारित शिक्षा के पथप्रदर्शक

डॉ. ब्रिजेश सिंह, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, बिहार के रजिस्ट्रार हैं। इसकी स्थापना वर्ष 2018 में वैशाली जिले में हुई थी और यह बिहार की पहली स्किल यूनिवर्सिटी तथा उत्तर बिहार की पहली निजी यूनिवर्सिटी है। बृजेश सिंह इस संस्थान के प्रशासन और शैक्षणिक उत्कृष्टता में अहम भूमिका निभा रहे हैं। यूनिवर्सिटी का लक्ष्य है स्थानीय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती शिक्षा उपलब्ध कराना ताकि उन्हें बाहर पलायन न करना पड़े। 35 एकड़ के आधुनिक परिसर में 80 स्मार्ट क्लासरूम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, ई-लाइब्रेरी, हॉस्टल और खेल सुविधाएं हैं। उनके मार्गदर्शन में शोध और नवाचार को बढ़ावा मिला है। अब तक 48 शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं, सात पेटेंट दाखिल हुए और तीन पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं। यूनिवर्सिटी को "सर्वश्रेष्ठ निजी विश्वविद्यालय" जैसे राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हुए हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर डॉ.सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, भगवानपुर में क्रिकेट मैच का आयोजन

लोकतंत्र की शान

हाजीपुर: राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार तथा डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, भगवानपुर (वैशाली) के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को भव्य क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त रूप से उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार, जिला खेल पदाधिकारी राकेश कुमार, कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह, कुलसचिव डॉ. बृजेश कुमार सिंह डीन एकेडमी डॉ धर्मेंद्र सिंह, डीन छात्र कल्याण अमरीश कुमार सिंह और पारा ओलंपिक स्विमर हरि शंकर रजक ने पिच पर टॉस कर किया। उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार ने कहा कि खेल को आज वह पहचान मिल रही है, जो पहले नहीं थी। उन्होंने कहा कि बच्चों को खेल अकादमी में भेजने के प्रति माता-पिता को जागरूक होना चाहिए ताकि खेलों को बढ़ावा मिल सके। जिला खेल पदाधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। कुलपति डॉ. बसंत कुमार सिंह ने कहा कि "एक घंटा खेल के मैदान में" स्लोगन को जीवन में उतारना चाहिए। वहीं, कुलसचिव डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने कहा कि खेल न केवल फिटनेस देता है, बल्कि जीवन में ऊंचा मुकाम दिलाने में भी मदद करता है। पारा ओलंपिक स्विमर हरि शंकर रजक ने कहा कि खेल में अनुशासन का होना बेहद जरूरी है। मेजर ध्यानचंद स्मृति क्रिकेट मैच में रमन 11 की टीम विजेता रही जबकि टेक्निकल 11 उपविजेता बनी। इसके अलावा इंडोर खेल प्रतियोगिता में कैरम में मोनिश कुमार, शतरंज में डॉ. अंकित कुमार, वहीं टेबल टेनिस में अंकुश कुमार सिंह ने जीत हासिल की। सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को उप विकास आयुक्त सहित अन्य अतिथियों ने सम्मानित किया। सीबीसी छपरा के सर्वजीत सिंह ने कहा कि खेल को जीवन का हिस्सा बनाने से ही समग्र विकास संभव है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर डॉ. आकांक्षा श्रीमती लवली आनंद, ओंकार शरद, शोएब अख्तर, समेत कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में 79वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

लोकतंत्र की शान

वैशाली : डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार में 79वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन बड़े उत्साह और जोश के साथ किया गया। विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया, जिसके दौरान विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. बृजेश सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, छात्र कल्याण अमरीश कुमार सिंह और सभी शिक्षक गण उपस्थित थे। इस अवसर पर एनसीसी और एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सहायक कुलसचिव ओंकार शरद और एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट ऋषु कुमार के प्रयासों से एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड मार्च निकाला गया। साथ ही, विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान, सभी उपस्थित लोगों ने देश की स्वतंत्रता के लिए शहीद हुए वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ. वसंत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का आह्वान किया और सभी छात्रों को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. बृजेश सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए और सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

TEAM ACKNOWLEDGMENTS & CREDITS

UNIVERSITY TEAM

- Prof. (Dr.) Samit Tiwari- Vice Chancellor, Dr. C. V. Raman University, Bihar
- Prof. (Dr.) Basant Kumar Singh- Pro-Vice Chancellor, Dr. C. V. Raman University, Bihar
- Prof. (Dr.) Birjesh Singh- Registrar, Dr. C. V. Raman University, Bihar
- Dr. Amrish Kumar Singh- Dean of Student Welfare, Dr. C. V. Raman University, Bihar
- Abhishek Kumar Mishra- Public Relation Officer, Dr. C. V. Raman University, Bihar

CREATIVE TEAM

- Concept & Direction: Dr. Aditi Chaturvedi, Director, AGU
- Content & Design Coordination: Shakshi Chouhan, AGU
- Design: Hitesh Parmar, Graphic Designer, AGU